ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-05-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-05-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-05-21	2022-05-22	2022-05-23	2022-05-24	2022-05-25
वर्षा (मिमी)	1.0	5.0	13.0	34.0	5.0
अधिकतम तापमान(से.)	38.0	36.0	34.0	32.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	20.0	18.0	17.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	27	58	72	86	69
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	13	16	25	35	36
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12.0	12.0	12.0	10.0	8.0
पवन दिशा (डिग्री)	22	27	34	22	45
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	3	4	4	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, 23 मई को मध्यम वर्षा व शेष दिन कहीं-कहीं बूंदा-बांदी या हल्की वर्षा की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 30.0 से 38.0 व 16.0 से 21.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 10.0 से 12.0 किमी/ घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पूर्व व उत्तर-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 25 से 31 मई के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम तथा अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं। चेतावनी: 21 और 22 मई को कहीं-कहीं पर 50-60 किमी/घंटे से 70 किमी/घंटे की गति तथा 23 व 24 मई को कुछ स्थानों पर 70-80 किमी/घंटे 90 किमी/घंटे की गति से गरज के साथ आकाशीय बिजली/तीव्र बौछार/ओला/ आंधी आने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) ओं ओं और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) ओं ओं से डाउनलोड किया जा सकता है| सूर्य की तीव्र या तेज किरणो से फल पेड़ो के तने पर बचाव के लिए पेड़ के तनो पर नीला थोता मिश्रित चूने का (नीला थोता 1 किग्रा, चूना 30 किग्रा, आधा लीटर अलसी का तेल 100 ली0 पानी में मिलाकर) प्रयोग करे।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, 23 मई को मध्यम वर्षा व शेष दिन कहीं-कहीं बूंदा-बांदी या हल्की वर्षा की सम्भावना है। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर मौसम साफ होने पर ही करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	घाटी व कम ऊँचे क्षेत्रों में सिंचित दशा में रोपाई हेतु धान की नर्सरी माह के द्वितीय पखवाड़े में रखे।
मक्का	मध्यम व ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में मक्का फसल की बुवाई माह के द्वितीय पखवाड़े में रखे।
डाइन्चा	गेंहूँ एवं अन्य रबी फसलो की कटाई के बाद खाली खेत में हरी खाद हेतू ढैंचा तथा सनई की बुवाई करें।
गन्ना	गन्ने में काले बग का प्रकोप हो तो फेन्थेएट 50 ई0सी0 के 1लीटर /हैक्टेयर या मोनोक्रोटोफास 36 एस0एल0 के 750 मिली या क्यूनालफास 25 ई0सी0 के 2 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर मौसम साफ होने पर ही करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	पर्वतीय क्षेत्रों में यदि शिमला मिर्च, टमाटर, बैंगन की पौध का प्रतिरोपण 1 माह पूर्व हो गया हो तो यूरिया की टॉप ड्रेसिंग मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें साथ ही साथ नमी संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करें।
टमाटर	टमाटर की फसल मे विषाणु जनित रोगो के नियंत्रण हेतु संक्रमित पौधों (धों सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर) को निकालकर नष्ट करे तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 या कॉपर आॅक्सीक्लोराइड 3.0 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करे। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर मौसम साफ होने पर ही करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दो माह की उम्र के बछड़ों/ बछियों को पीपराजीन नामक कृमिनाशक दवाई जरुर पिलायें।
भेंस	सायनाइड ग्रस्त चारा खाए हुए पशु को पानी नही पिलाना चाहिए तथा चारागाहो में चराने ले गये पशुओ को कम बढ़ी हुई ज्वार, बाजरा, चरी की फसल न खाने दे। छोटे मुर्झाये हुए पीले व सुखकर ऐठे हुए पौधो को चारे के रूप में उपयोग नही करे।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
कृषि क्षेत्र	मई माह मे खेत की मेड़ बन्दी कर जुताई कर के छोड़ दे। ग्रीष्मकालीन जुताई से खेत के कीटो एवं बीमारियो के लारवा एवं खरपतवार आदि के बीज नष्ट हो जाते है मेड़ बन्दी से वर्षा जल खेत में ही रहेगा तथा जल बहाव के साथ मिट्टी बहकर बाहर नही जाएगी।
मिट्टी परीक्षण	रबी फसलो की कटाई के बाद खाली खेत से इस मई माह में मृदा नमूना खेत से 10-15 विभिन्न स्थानो से लेना चाहिए। मिट्टी का नमूना 20 सेमी तक की गहराई से लेना चाहिए|